मंगलवार
21 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 77 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

डीएम-एसपी की समन्वय बैठक में भ्रष्टाचार रोकने और सेवा सुधार के दिए निर्देश

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सोमवार को नालंदा समाहरणालय में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के तकनीकी तथा गैर-तकनीकी पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' तथा मलमास मेला 2026 की तैयारियों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि अक्सर शिकायत मिलती है कि लोग अपनी समस्याओं को लेकर सरकारी कार्यालयों में पहुंचते हैं, लेकिन अधिकारी मौजूद नहीं रहते हैं।

उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल 2026 तक जिले में खनन, अवैध परिवहन, पीडीएस दुकानों, आरटीपीएस काउंटर, भू-माफिया, निबंधन कार्यालयों तथा सरकारी कार्यों में सक्रिय बिचौलियों के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाकर भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को जिले के सभी क्षेत्रीयकार्यालयों, अनुमंडलों, प्रखंडों, थानों और पंचायतों में सेवा संवाद समाधान कार्यक्रम का नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्यक्रम के दौरान अधिकारी आम लोगों से सम्मानपूर्वक मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और गुणवत्तापूर्ण समाधान करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत स्तर पर जन सहयोग शिविर आयोजित करने के लिए तिथिवार रोस्टर तैयार किया जाएगा। शिविर की निर्धारित तिथि से 15 दिन पहले पंचायत सरकार भवनों में आवेदन लिए जाएंगे, ताकि शिविर के दौरान उनका शीघ्र निस्तारण किया जा सके। साथ ही शिविर में लोगों के बैठने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में स्वगणना कार्य को चार से पांच दिनों के भीतर शत-प्रतिशत पूरा कराया जाए।बैठक में डीपीओ आईसीडीएस और जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि "स्कूल चलो अभियान" के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में छह वर्ष की आयु पूरी कर चुके लगभग 16 हजार बच्चों का नामांकन नजदीकी प्राथमिक विद्यालयों में हर हाल में सुनिश्चित किया जाए तथा सभी बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक उपलब्ध कराई जाए।

इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एक्स-रे जैसी मशीनों को पूरी तरह क्रियाशील रखने, अगलगी की घटनाओं से निपटने के लिए अग्निशमन दल को अलर्ट मोड में रखने तथा कृषि फसल क्षति के आकलन और मुआवजा प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था सुधारने और दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा उपाय करने का निर्देश दिया।

बैठक में नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

महिला सम्मान से समझौता नहीं, अधिकार दिलाने को प्रतिबद्ध है सरकार: सम्राट चौधरी

पटना(अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को भाजपा के जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार शुरू से ही महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने के विरोध में भाजपा की ओर से राजधानी पटना में 'जन आक्रोश महिला मार्च' निकाला गया। इसके बाद ऐतिहासिक गांधी मैदान में जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला नेत्रियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन के माध्यम से भाजपा ने विपक्ष पर महिला अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

सम्मेलन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उनकी भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकारों को बाधित करने का काम किया है।मुख्यमंत्री ने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल केवल अपने परिवार के लोगों को ही सत्ता में पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने पंचायत और नगर निकायों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू कर महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया है, जिसके कारण बिहार में महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या 59 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की असुरक्षा पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जाति के नाम पर गांव, मोहल्ले और मकान भी मौजूद: तेजस्वी यादव

पटना(अपना नालंदा)। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जनगणना 2027 की स्व-गणना प्रक्रिया के तहत सोमवार को अपना पंजीकरण पूरा किया। इस दौरान जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक सुश्री रंजिता सहित कई वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद में बयान देते समय देश के गृहमंत्री को भारतीय समाज की वास्तविकता की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज वर्ण व्यवस्था में विभाजित रहा है, जहां केवल व्यक्तियों के नाम ही नहीं बल्कि मकान, मोहल्ले, टोले, इलाके और यहां तक कि पूरे गांव भी जातियों के नाम से जाने जाते हैं। देश के कई राज्यों में ऐसे असंख्य गांव हैं जिनके नाम ही जातिसूचक हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के समाजवादी विचारधारा वाले दलों और नेताओं को बदनाम करने से पहले गृहमंत्री को देश की राजधानी दिल्ली का भी दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के उच्च श्रेणी के आवासीय इलाकों और आलीशान कोठियों के नाम पट्टों पर भी बड़े अक्षरों में मकान मालिकों की जातियां लिखी होती हैं, जो सामाजिक वास्तविकता को दर्शाती हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों का उपहास करने वाले लोग अपने मकानों के साथ-साथ कंपनियों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के नामों में भी जाति का उल्लेख करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि गृहमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि सरकार अपने वादे के अनुसार देश में जातिगत जनगणना कराएगी या नहीं।

माँ शीतला हॉस्पिटल
" बेहतर संबंध, बेहतर उपचार "
डॉ0 वरुण कुमार शरण
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (एम.यू.)
वरिष्ठ परामर्शदाता
(हृदय एवं स्नायु रोग विशेषज्ञ)
डॉ0 अरुण कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (रांची)
सामान्य शल्य चिकित्सक
डॉ0 रिंकी कुमारी
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधाएँ
- 24 घंटे आपातकालीन सेवा
- आई.सी.यू. सुविधा
- ओ.पी.डी. एवं आई.पी.डी. सुविधा
- ई.सी.जी. जाँच
- सामान्य प्रसव की विशेष सुविधा
- 1 मेजर एवं 1 माइनर ऑपरेशन थियेटर
- सामान्य वार्ड एवं निजी कक्ष
- 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा
पता :
एन.एच.-20, देवीसराय चौक से 50 गज उत्तर (पश्चिम साइड), बाईपास रोड, बिहार शरीफ, नालंदा (बिहार)
24x7
EMERGENCY SERVICES
संपर्क सूत्र :
7282039277, 748345737
हेल्पलाइन :
9955382941

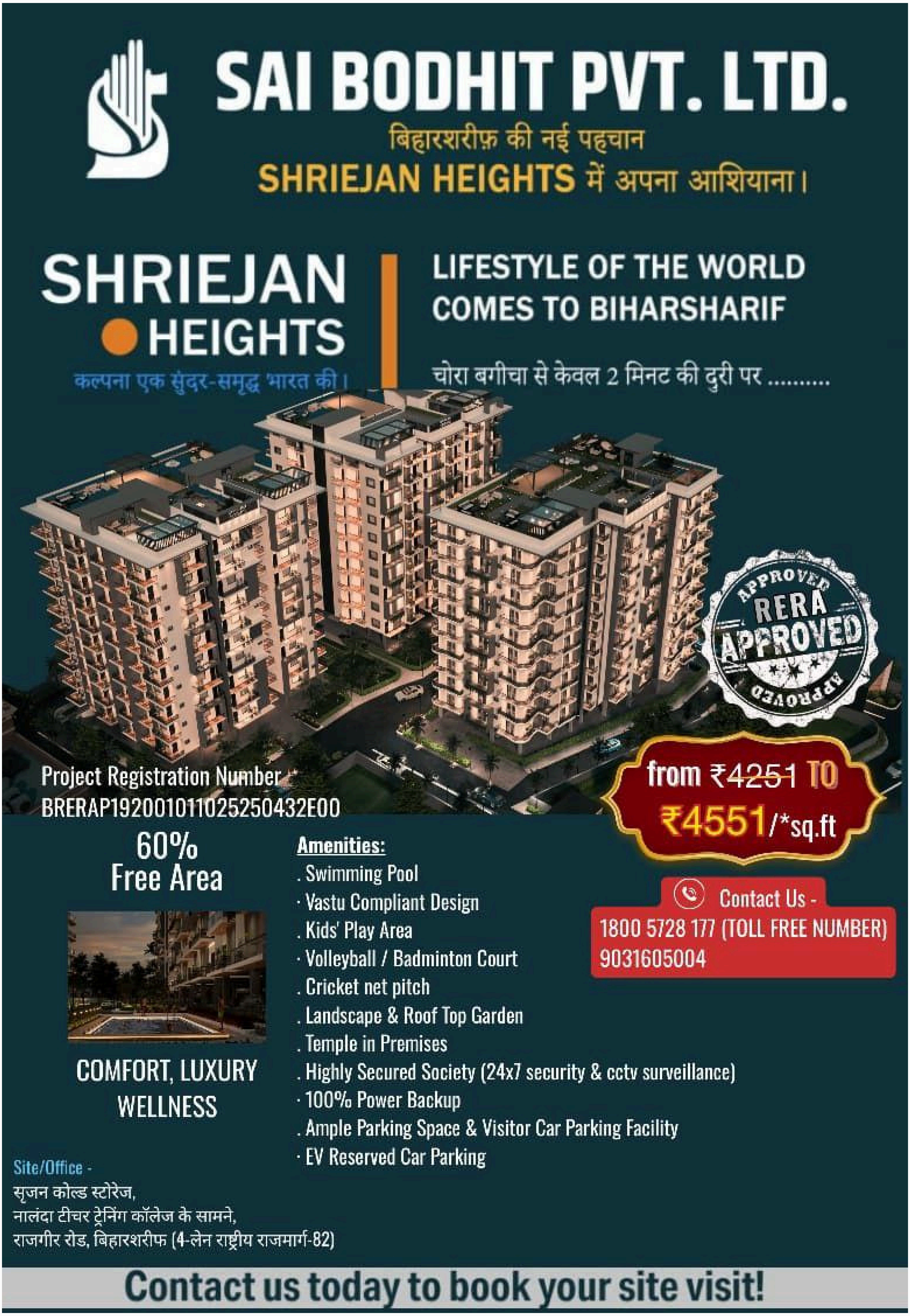
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101110252504 32E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

किसान कॉलेज सोहसराय में इनर व्हील क्लब ने कराया सीपीआर प्रशिक्षण

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। इनर व्हील क्लब ऑफ बिहारशरीफ और जया प्रभा मेदांता हॉस्पिटल, पटना के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सोहसराय स्थित किसान कॉलेज परिसर में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकों के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ किसान कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्यांशु कुमार, इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष रश्मि रानी, क्लब सचिव कुमारी रश्मि, अल्का रस्तोगी, शोभा रानी और सीमा अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जया प्रभा मेदांता हॉस्पिटल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को सीपीआर की महत्वपूर्ण जानकारी दी।विशेषज्ञों ने बताया कि हृदय गति रुकने यानी कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में समय पर दिया गया सीपीआर किसी व्यक्ति की जान बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होता है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से सीपीआर देने की सही तकनीक सिखाई गई।

इसमें छाती पर दबाव (चेस्ट कंप्रेशन) और कृत्रिम श्वसन (रेस्क्यू ब्रीदिंग) की विधियों का विस्तार से अभ्यास कराया गया।

इस दौरान आपातकालीन स्थिति में त्वरित निर्णय लेने और प्राथमिक उपचार के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष रश्मि रानी ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज में जीवन रक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और लोगों को आपात स्थिति में सहायता करने के लिए तैयार करते हैं।कार्यक्रम में किसान कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्यांशु कुमार, क्लब सचिव कुमारी रश्मि, शोभा रानी, अल्का रस्तोगी, सीमा अग्रवाल के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया तथा इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया।

नेहुसा में नल-जल योजना ठप, पंद्रह दिनों से ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के नेहुसा पंचायत स्थित वार्ड संख्या 11 में सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना भीषण गर्मी के बीच पूरी तरह ठप हो गई है। लाखों रुपये की लागत से बनाई गई जलमीनार और पाइपलाइन व्यवस्था होने के बावजूद ग्रामीणों को पिछले पंद्रह दिनों से पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार मोटर जल जाने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है। बताया जाता है कि इसी मोटर के माध्यम से गांव के करीब तीन सौ घरों में पानी की आपूर्ति की जाती है, जिसमें दो आंगनबाड़ी केंद्र भी शामिल हैं। पानी बंद होने के कारण ग्रामीणों को अन्य स्रोतों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि जलमीनार की स्थापना के समय से ही उसके ऊपर पानी की टंकी नहीं लगाई गई है। इसके कारण पानी का दबाव कम रहता है और लगभग सत्तर घरों तक नियमित रूप से पानी नहीं पहुंच पाता है।इस समस्या को लेकर विरेंद्र कुमार, किरण देवी, सुमित कुमार, सावित्री देवी, देवेंद्र प्रसाद, बल्केश्वर राम, महेश ठाकुर, विद्यासागर राम, अजय राम, रूपा देवी और संतु कुमार सिंह सहित दर्जनों ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग से जल्द समाधान की मांग की है।

वहीं पंप ऑपरेटर सह वार्ड सदस्य सनूज कुमार ठाकुर ने बताया कि मोटर के साथ एमसी, तार और सॉकेट भी जल गया है, जिसके कारण जलापूर्ति बाधित है। उन्होंने कहा कि पांच हॉर्सपावर का मोटर लगा है, जो अज्ञात कारणों से बार-बार जल जाता है।

इस संबंध में पीएचईडी विभाग की जूनियर इंजीनियर सुप्रिया कुमारी ने बताया कि शिकायत मिली है और मामले की जांच कर जल्द ही मोटर ठीक कराकर पानी की आपूर्ति बहाल की जाएगी।

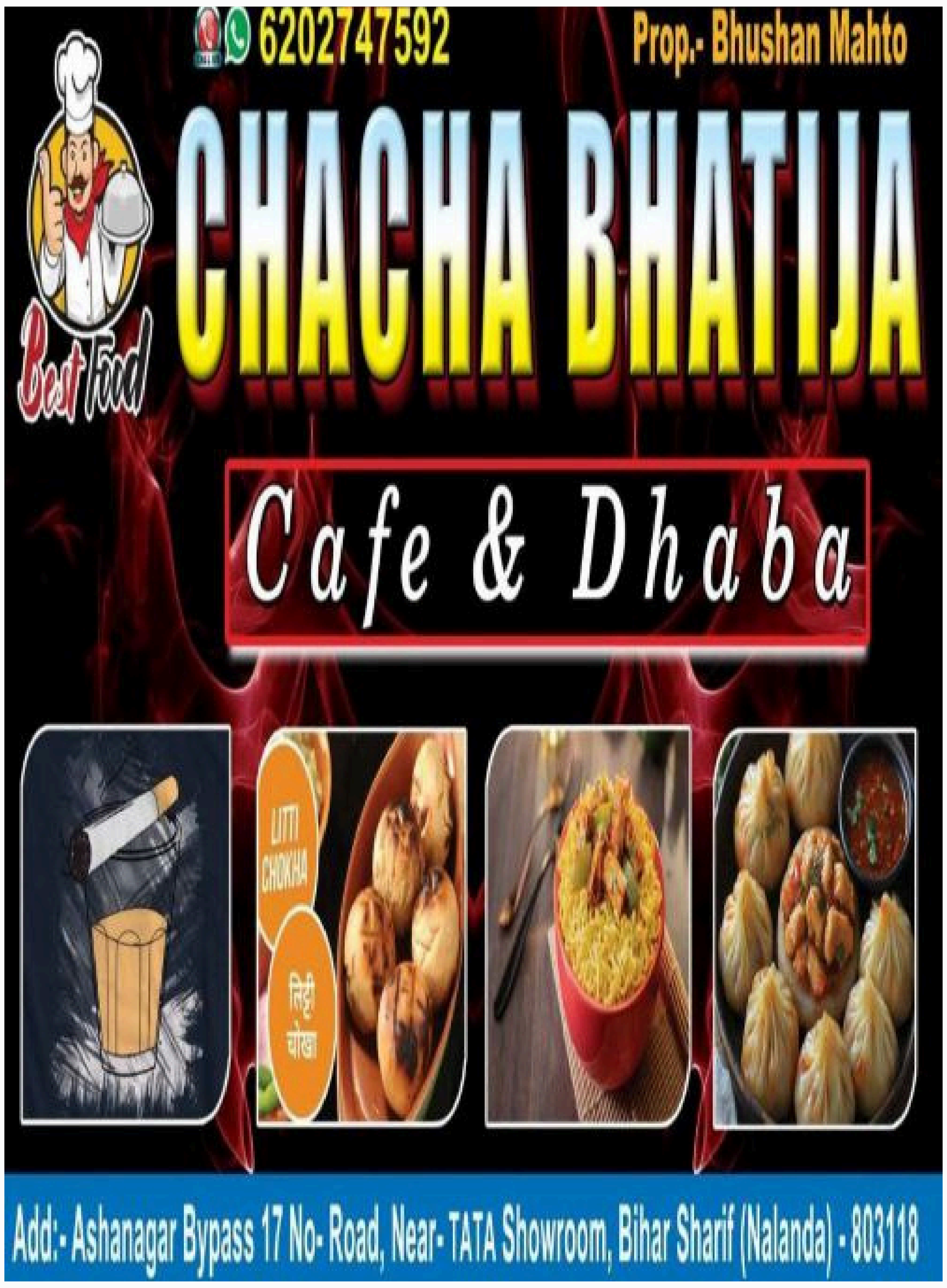

कतरीसराय थाना में डीएसपी ने लगाया जनता दरबार, सुनीं लोगों की समस्याएं

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। सोमवार को कतरीसराय थाना परिसर में प्रस्तावित जनता दरबार का आयोजन किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस जनता दरबार में नालंदा के पुलिस अधीक्षक को शामिल होना था, लेकिन कुछ जरूरी कारणों से उनके नहीं पहुंच पाने के कारण कार्यक्रम की अध्यक्षता राजगीर के डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र से आए आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।

जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं और शिकायतों को अधिकारियों के समक्ष रखा। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने सभी मामलों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने कानिर्देश दिया, ताकि लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके।इसके साथ ही डीएसपी ने थाना में लंबित मामलों की भी समीक्षा की और पुलिस पदाधिकारियों को सभी मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने थाना पंजी के संधारण, पुलिस पदाधिकारियों की कार्यशैली, क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति तथा मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन की भी विस्तृत जांच की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना भवन एवं परिसर की साफ-सफाई और रख-रखाव का भी जायजा लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा।इस अवसर पर गिरियक पुलिस निरीक्षक सुमंत कुमार, अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, पीएसआई मुकुंद भारती, एएसआई मनीष कुमार, एएसआई रुदल पासवान, एएसआई धर्मेंद्र कुमार सहित कई अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान उपस्थित थे।

मुढ़ारी गांव में नवनिर्मित मंदिर में बजरंगबली प्रतिमा की हुई प्राण प्रतिष्ठा

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के मुढ़ारी गांव स्थित फोरलेन सड़क किनारे आयोजित श्री श्री 108 श्री बजरंगबली प्राण प्रतिष्ठा एवं अखंड कीर्तन समारोह के अंतर्गत सोमवार को नवनिर्मित मंदिर में बजरंगबली जी की प्रतिमा की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस धार्मिक अनुष्ठान का संचालन आचार्य अरविंद पांडेय के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। मुख्य यजमान के रूप में सुगंबर यादव, नंदू यादव और जितेंद्र यादव ने पूजा-अर्चना कर भगवान बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि मंगलवार से मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन विधि-विधान के साथ आरंभ होगा, जबकि बुधवार को अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन किया जाएगा। उन्होंनेबताया कि वर्ष 1999 में यहां बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित थी, लेकिन फोरलेन सड़क के निर्माण और अपग्रेडेशन के दौरान मंदिर को तोड़ना पड़ा था। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से लाखों रुपये की लागत से नए मंदिर का निर्माण कराया गया और गया जिले के पत्थरकट्टी से लगभग पांच फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा मंगवाकर स्थापित की गई।

अनुष्ठान में आचार्य अरविंद पांडेय के साथ पंडित रामचंद्र पांडेय, पंडित सीताराम पांडेय, पंडित राधेश्याम पांडेय और पंडित प्रिंस पांडेय ने भी वैदिक रीति से पूजा-पाठ संपन्न कराया। उन्होंने बताया कि शनिवार को कलश शोभा यात्रा, रविवार को मंडप पूजन, नगर भ्रमण, जलाधिवास, फलाधिवास और अन्नाधिवास जैसे अनुष्ठान आयोजित किए गए थे। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ मुख्य यजमान और श्रद्धालुओं द्वारा 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा शाम में बजरंगबली की आरती और पूजा संपन्न हुई।

इस धार्मिक अनुष्ठान में ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी रही। मौके पर सिंघे यादव, सोनू, नितीश, लनीन, कमलेश, बब्लू, पप्पू, गुड्डू, सुनील और मनीष सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर पूजा-अर्चना की और गांव में सुख-समृद्धि की कामना की।

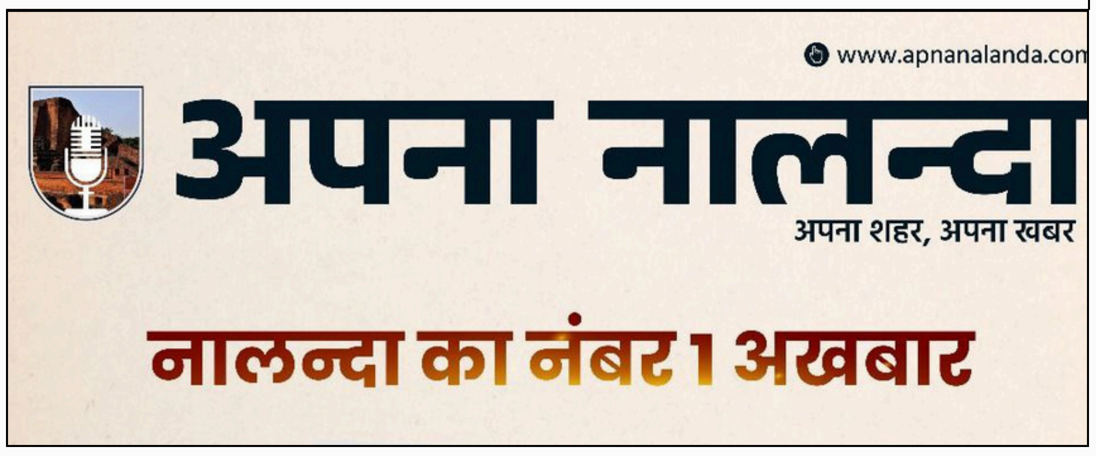

भाजपा महिला विरोधी, महिलाओं के अधिकारों की सच्ची लड़ाई राजद लड़ता है:-दीपक कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सोमवार को जिला राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता दीपक कुमार ने भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पांच राज्यों के चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव को राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जबकि राष्ट्रीय जनता दल हमेशा से महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

दीपक कुमार ने कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तथा बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बार-बार यह बात कही है कि गांव और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ी महिलाओं को भी देश के सर्वोच्च सदन तक पहुंचाने के लिए पार्टी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजद ने अपने शासनकाल में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान देने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आजादी के बाद बिहार में पहली बार राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाने का कार्य राष्ट्रीय जनता दल ने ही किया था। इसी प्रकार कांति सिंह को केंद्र सरकार में मंत्री बनने का अवसर दिया गया। समाज की अंतिम पंक्ति से आने वाली पत्थर तोड़ने वाली महिला भगवती देवी को लोकसभा तक पहुंचाने का काम भी राजद ने किया।

दीपक कुमार ने आगे कहा कि बिहार विधान परिषद में अनुसूचित जाति की बेटी मुन्नी रजक और अत्यंत पिछड़ा वर्ग की बेटी उर्मिला ठाकुर को भी प्रतिनिधित्व दिलाने का काम राजद ने किया है। उन्होंने कहा कि राजद

हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के साथ खड़ी रही है और आगे भी तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महिलाओं के हक की लड़ाई जारी रखेगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का यह प्रस्ताव नारी शक्ति के सम्मान के बजाय सत्ता की राजनीति से प्रेरित है।

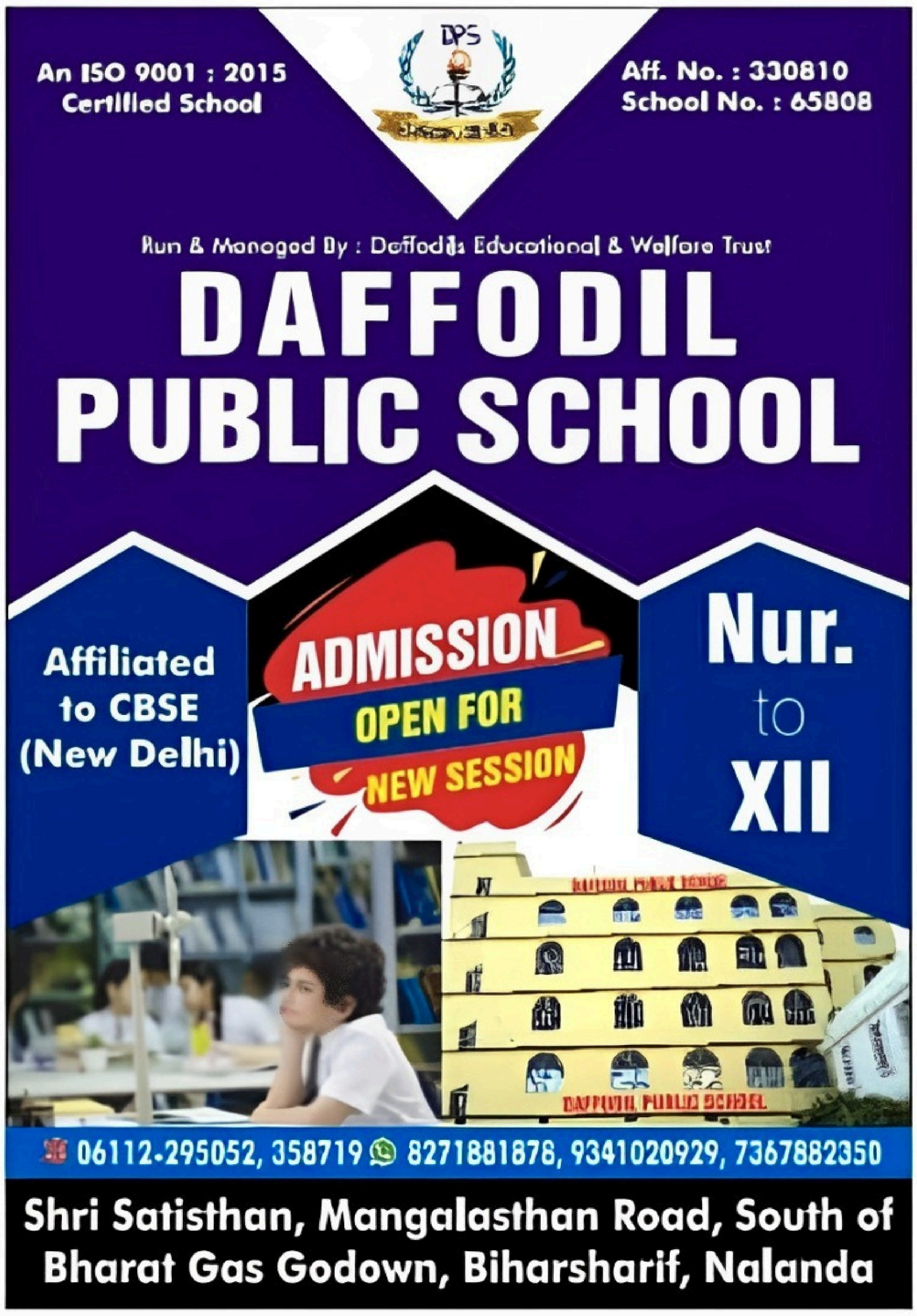

कैला गांव में पराली नहीं जलाने और संतुलित उर्वरक उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड के कैला पंचायत अंतर्गत कैला गांव में सोमवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) की ओर से फसल अवशेष नहीं जलाने तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग को लेकर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को वैज्ञानिक खेती के तरीके अपनाने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अमीत कुमार ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की ऊपरी सतह का तापमान बढ़ जाता है, जिससे मित्र कीट, केंचुए और उपयोगी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। इससे मिट्टी की नमी कम हो जाती है, जैविक कार्बन नष्ट होता है और भूमि की उर्वरता घटती है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से प्रति एकड़ लगभग 10-15 किलोग्राम पोषक तत्वों का नुकसान होता है तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर जैसे आवश्यक तत्व भी जलकर समाप्त हो जाते हैं।प्रखंड सहायक तकनीकी प्रबंधक अनुरुपा कुमारी ने किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। रासायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खाद, कंपोस्ट, हरी खाद और जैव उर्वरकों का उपयोग करने से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है। उन्होंने नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का 4:2:1 अनुपात अपनाने तथा जिंक, बोरॉन और सल्फर जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग की भी सलाह दी।

कार्यक्रम में किसानों को नैनो यूरिया, जैव उर्वरक और हरी खाद के उपयोग के लाभ बताए गए। विशेषज्ञों ने कहा कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन से पैदावार बढ़ती है, लागत कम होती है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। किसानों से टिकाऊ खेती के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने का आह्वान किया गया।

निजी अस्पताल में इंजेक्शन के बाद मरीज की मौत, परिजनों का हंगामा

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद सोमवार सुबह परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गलत इंजेक्शन देने के कारण मरीज की जान चली गई। मृतक की पहचान वेना थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी स्वर्गीय सोभी चौहान के 45 वर्षीय पुत्र बाल बृंद नोनिया के रूप में हुई है।मृतक के परिजनों के अनुसार, बाल बृंद नोनिया के पैर में करीब एक वर्ष पहले रॉड डाली गई थी। उसी रॉड को निकलवाने के लिए वे 16 अप्रैल को दीपनगर स्थित सिद्धि विनायक अस्पताल पहुंचे थे। जांच के बाद डॉक्टरों ने 17 अप्रैल को ऑपरेशन करने का समय निर्धारित किया। मृतक के पुत्र बबलू कुमार ने बताया कि शाम लगभग पांच बजे उनके पिता को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। कुछ ही देर बाद डॉक्टरों ने परिजनों को अंदर बुलाया, जहां मरीज के मुंह में पाइप लगा था और उन्हें कृत्रिम सांस दी जा रही थी।

परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन शुरू होने से पहले ही इंजेक्शन देने के बाद मरीज की हालत अचानक बिगड़ गई। मृतक के संबंधी टिंकू चौहान ने बताया कि मरीज पूरी तरह सामान्य हालत में अस्पताल आया था, लेकिन इंजेक्शन देने के बाद ही उसकी स्थिति गंभीर हो गई। उनका कहना है कि घटना के बाद डॉक्टर अस्पताल छोड़कर फरार हो गए और पूरा मामला स्टाफ के भरोसे छोड़ दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही दीपनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि परिजनों से आवेदन प्राप्त हुआ है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

संपादकीय

जे पी चौधरी

निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी कसौटी: खुद की राजनीतिक पहचान

बिहार की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो केवल एक व्यक्ति की एंट्री नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक ढांचे की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। जनता दल यूनाइटेड में निशांत कुमार का औपचारिक प्रवेश भी ऐसा ही एक क्षण है। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे का पार्टी की सदस्यता लेना महज पारिवारिक घटना नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक युग के अंत और दूसरे युग की शुरुआत का संकेत भी माना जा रहा है जिसमें जेडीयू की पहचान पूरी तरह नीतीश कुमार के व्यक्तित्व से जुड़ी रही है।करीब दो दशकों तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार निर्णायक भूमिका में रहे। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली तो राज्य की पहचान अव्यवस्था, अपराध और कमजोर बुनियादी ढांचे से जुड़ी हुई थी। उसके बाद सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में कई योजनाएं लागू की गईं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, साइकिल योजना और छात्रवृत्ति कार्यक्रम जैसे फैसलों ने उन्हें "सुशासन बाबू" की छवि दी। 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटें जीतकर अपने राजनीतिक चरम को छुआ था। लेकिन समय के साथ समीकरण बदले। 2020 के चुनाव में पार्टी 43–45 सीटों तक सिमट गई। हालांकि 2025 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने लगभग 85 सीटें जीतकर वापसी की, फिर भी यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी की ताकत अब पहले जैसी नहीं रही।इसी पृष्ठभूमि में निशांत कुमार का राजनीति में आना महत्व रखता है। 40 वर्ष के इंजीनियर निशांत अब तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहे। उनका स्वभाव अंतर्मुखी बताया जाता रहा है और वे लंबे समय तक आध्यात्मिक रुचियों में व्यस्त रहने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे व्यक्ति का अचानक सक्रिय राजनीति में उतरना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा और संदेह दोनों पैदा करता है। लेकिन राजनीति में अक्सर परिस्थितियां व्यक्ति को आगे धकेल देती हैं। जेडीयू भी उसी दौर से गुजर रही है जहां संगठन को भविष्य का चेहरा चाहिए।बिहार की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का अनुभव बताता है कि जब कोई पार्टी लंबे समय तक एक नेता पर निर्भर रहती है तो उसके बाद नेतृत्व का संकट पैदा हो जाता है। राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव का उभार इसी कारण हुआ। समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव के बाद अखिलेश यादव का नेतृत्व सामने आया। तमिलनाडु में करुणानिधि के बाद एम.के. स्टालिन ने पार्टी संभाली। इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट है कि पारिवारिक उत्तराधिकार भारतीय राजनीति की एक स्वीकृत वास्तविकता बन चुका है। यही वजह है कि नीतीश कुमार, जो वर्षों तक परिवारवाद की आलोचना करते रहे, अंततः उसी रास्ते पर चलते दिखाई दिए।जेडीयू का सामाजिक आधार भी इस निर्णय को समझने में मदद करता है। पार्टी की ताकत मुख्यतः कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ा वर्ग के वोटों पर टिकी रही है। 2010 के चुनाव में जेडीयू-भाजपा गठबंधन को लगभग 39 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसमें जेडीयू का बड़ा हिस्सा इन वर्गोंसे आया। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में यह आधार धीरे-धीरे खिसकने लगा। भाजपा का प्रभाव बढ़ा और कई इलाकों में उसका संगठन जेडीयू से ज्यादा मजबूत होता गया। राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं कि बिहार में भाजपा का वोट प्रतिशत 2010 के लगभग 16–17 प्रतिशत से बढ़कर हाल के वर्षों में 25 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। ऐसे में जेडीयू के सामने दोहरी चुनौती है अपना सामाजिक आधार बचाना और गठबंधन की राजनीति में अपनी पहचान बनाए रखना।यहीं पर निशांत कुमार की भूमिका अहम हो सकती है। जेडीयू के भीतर यह धारणा बन रही है कि अगर पार्टी के पास नीतीश कुमार के परिवार से कोई चेहरा रहेगा तो संगठन में एकजुटता बनी रहेगी। क्षेत्रीय दलों के इतिहास में यह अक्सर देखा गया है कि करिश्माई नेता के बाद पार्टी बिखर जाती है। बिहार में भी कई छोटे दल इसी कारण खत्म हो गए। इसलिए जेडीयू के नेताओं को लगता है कि निशांत की मौजूदगी कम से कम पार्टी को एक धुरी दे सकती है।हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। बिहार की राजनीति में गठबंधन की प्रकृति बेहद जटिल है। भाजपा और जेडीयू का रिश्ता पिछले डेढ़ दशक में कई बार टूटा और जुड़ा है। 2013 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर दोनों दल अलग हुए। 2017 में फिर साथ आए। 2022 में जेडीयू ने महागठबंधन का रास्ता चुना और 2024 में एक बार फिर एनडीए में लौट आई। इन उतार-चढ़ावों ने जेडीयू के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी असमंजस पैदा किया। अगर भविष्य में भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चेहरा आगे बढ़ाती है तो जेडीयू का राजनीतिक महत्व और घट सकता है।निशांत कुमार को इसी परिस्थिति में अपनी पहचान बनानी होगी। उनके सामने पहला काम संगठन को मजबूत करना होगा। जेडीयू के पास आज भी कई अनुभवीनेता हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश की पहचान क्षेत्रीय स्तर तक सीमित है। यदि युवा नेतृत्व को आगे लाकर संगठन में नई ऊर्जा भरी जाती है तो पार्टी को लाभ हो सकता है। बताया जा रहा है कि युवा विधायकों और करीबी सहयोगियों की एक टीम पहले से तैयार की जा रही है जो राजनीतिक प्रशिक्षण और रणनीति में निशांत की मदद करेगी।इतिहास बताता है कि राजनीति में शुरुआती छवि अंतिम नहीं होती। ओडिशा के नवीन पटनायक इसका उदाहरण हैं। 1997 में जब वे राजनीति में आए थे तो उन्हें भी अनुभवहीन और संकोची कहा जाता था। लेकिन कुछ ही वर्षों में उन्होंने अपनी शैली विकसित की और 24 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बिहार की परिस्थितियां अलग जरूर हैं, पर यह भी सच है कि राजनीति में धैर्य और समय बहुत कुछ बदल देते हैं।

फिलहाल निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी कसौटी यही है कि वे खुद को केवल "नीतीश कुमार के बेटे" से आगे साबित करें। अगर वे संगठन में संवाद बढ़ा सके, सामाजिक आधार को मजबूत कर सके और गठबंधन की राजनीति में संतुलन बना सके तो जेडीयू को नई दिशा मिल सकती है। लेकिन अगर वे केवल प्रतीकात्मक नेता बनकर रह गए तो पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ना तय है।बिहार की राजनीति हमेशा व्यक्तित्वों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब तेजस्वी यादव इन सभी ने अपने-अपने दौर में राज्य की राजनीति को दिशा दी है। निशांत कुमार का राजनीतिक सफर अभी शुरू हुआ है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे अपने पिता की विरासत संभाल पाएंगे या नहीं। लेकिन इतना तय है कि उनकी एंट्री ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस और नई प्रतीक्षा जरूर पैदा कर दी है। आने वाले वर्षों में यह साफ होगा कि यह कदम जेडीयू को स्थिरता देगा या पार्टी को एक नए संघर्ष के दौर में ले जाएगा।

दरधा नदी संरक्षण हेतु जहानाबाद में स्काउट-गाइड का जन-जागरूकता अभियान तेज

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला गंगा समिति के निर्देशानुसार दरधा नदी एवं संगम घाट के आसपास नदी संरक्षण को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान बिहार राज्य भारत स्काउट एंड गाइड, जिला जहानाबाद के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड कैडेट्स ने भाग लेकर लोगों को नदी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान स्काउट-गाइड कैडेट्स ने नदी किनारे साफ-सफाई करते हुए स्थानीय लोगों से नदी को प्रदूषण मुक्त रखने की अपील की। उन्होंने लोगों को बताया कि नदियां हमारी जीवन रेखा हैं और इनके संरक्षण से ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है। कैडेट्स ने ग्रामीणों और युवाओंको नदी में कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट नहीं डालने तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जिला संगठन आयुक्त के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान के तहत बताया गया कि आगामी 26 अप्रैल 2026 को दरधा नदी तट पर एक वृहद जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि नदी संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की कि नदी को साफ-सुथरा रखने में सभी लोग सहयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

जहानाबाद पहुंचे मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक, अपराध नियंत्रण पर की समीक्षा

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। सोमवार को मगध क्षेत्र, गया के पुलिस महानिरीक्षक के जहानाबाद आगमन पर पुलिस अधीक्षक जहानाबाद द्वारा उनका सप्रेम स्वागत किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें पुष्पयुक्त गमला भेंट कर अभिनंदन किया।

दौरे के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित लेखा शाखा के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इसके साथ ही जिले में दर्ज लूट, डकैती सहित अन्य गंभीर आपराधिक घटनाओं की भी गहन समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित मामलों की प्रगति, अनुसंधान की स्थिति तथा आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर एवं घोषी) सहित अन्य संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि गंभीर मामलों के

निष्पादन में तेजी लाई जाए और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस प्रशासन को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सक्रियता और तत्परता के साथ करना चाहिए, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था कायम रहे। साथ ही आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ब्रिलिएंट ग्रुप की पूर्व छात्रा सोनम भारती बनीं इनकम टैक्स विभाग में अधिकारी

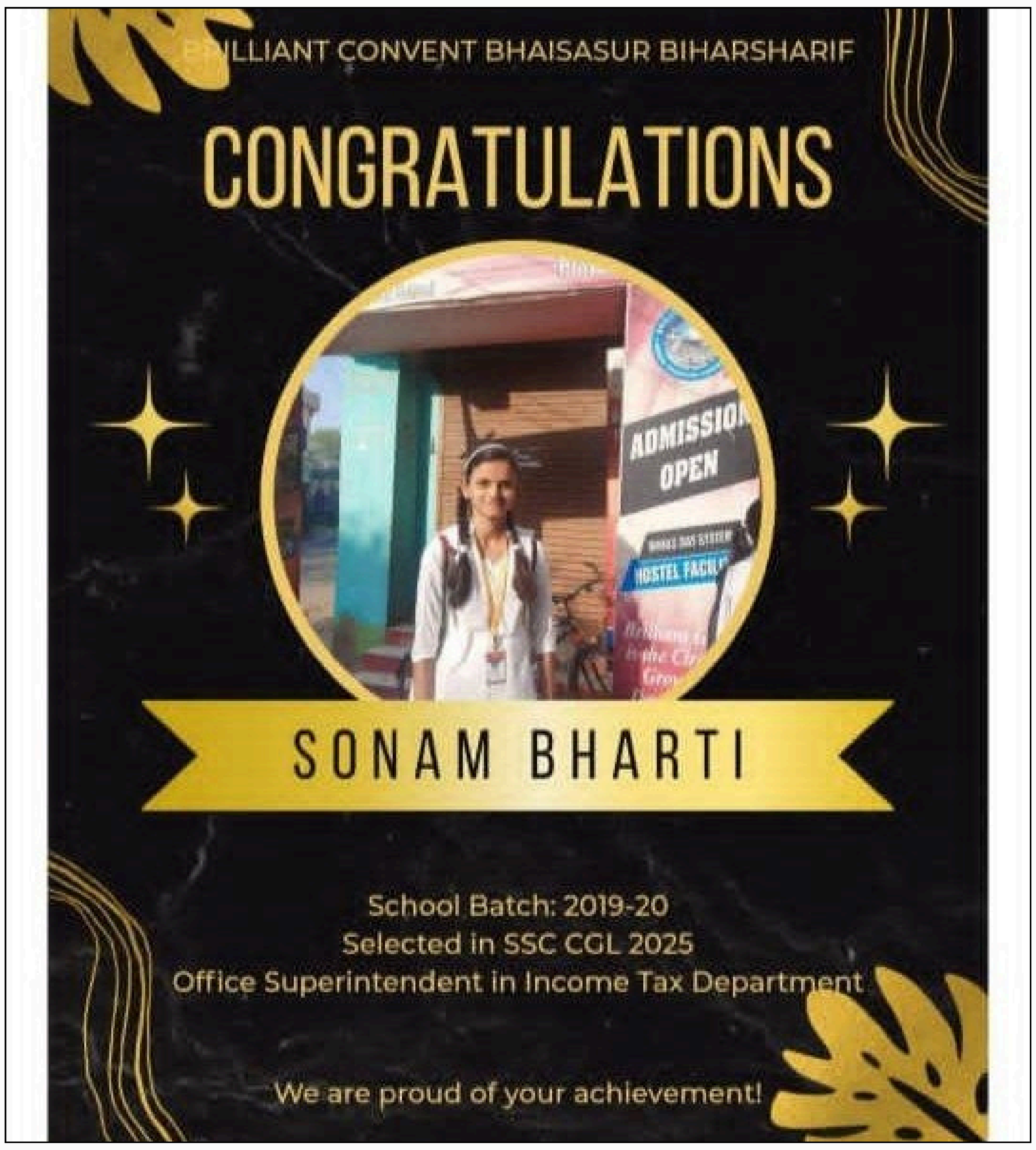

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान ब्रिलिएंट ग्रुप की भूतपूर्व छात्रा सोनम भारती के इनकम टैक्स विभाग में चयन होने से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सोनम भारती ने इनकम टैक्स विभाग में ऑफिस असिस्टेंट के पद पर चयनित होकर न केवल अपने माता-पिता बल्कि विद्यालय और जिले का भी नाम रोशन किया है।

इस उपलब्धि के बाद सोनम भारती विद्यालय के सभागार में पहुंचीं, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सफलता के लिए निरंतर मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और अनुशासन अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने वर्ष 2011 से ब्रिलिएंट ग्रुप में अपनी पढ़ाई शुरू की थी और वर्ष 2019-20 के सत्र में सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। इसके बाद बारहवीं की परीक्षा में भी उन्होंने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया।

सोनम ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख ली और एक निश्चित लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार तैयारी जारी रखी। कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास के बल पर ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस विभाग में चयन के साथ-साथ उनका चयन यूडीसी, एनटीपीसी और बिहार पुलिस के पदों के लिए भी हुआ था, लेकिन उन्होंने इनकम टैक्स विभाग में सेवा देना ही बेहतर समझा।

नालंदा जिले के इकवालगंज गांव निवासी सोनम भारती के पिता राजकुमार प्रसाद और माता मृदुला देवी हैं। अपनी सफलता का श्रेय

देते हुए सोनम ने कहा कि माता-पिता का सहयोग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अच्छी पुस्तकों का अध्ययन ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है।

विद्यालय के निदेशक डॉ. धनंजय कुमार ने कहा कि सोनम भारती ने अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखते हुए निरंतर मेहनत की और आज उसी का परिणाम है कि उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण नौकरी हासिल की है। वहीं विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. शशि भूषण कुमार ने कहा कि सोनम शुरू से ही सौम्य, अनुशासित और परिश्रमी छात्रा रही है। उनकी सफलता से विद्यालय परिवार गौरवान्वित है।

इस अवसर पर विद्यालय के पुराने शिक्षक पवन कुमार, रंजय सिंह, विजय कुमार और किशोर कुमार पांडे ने भी सोनम को पढ़ाने के अपने अनुभव साझा किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी उनकी सफलता से प्रेरणा लेते हुए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया।

नालंदा विश्वविद्यालय में आईसीसीआर महानिदेशक ने सांस्कृतिक कूटनीति का महत्व बताया

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की महानिदेशक श्रीमती के. नंदिनी सिंगला ने "सांस्कृतिक संबंध" विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर परिषद के उप-महानिदेशक श्री आशीष रंजन तथा आईसीसीआर पटना क्षेत्रीय कार्यालय की प्रमुख सुश्री स्वधा रिज़वी की भी विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, शिक्षकों और अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

अपने संबोधन में महानिदेशक ने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की 'सॉफ्ट पावर' के रूप में सांस्कृतिक संबंधों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत विरासत विश्व के साथ उसके संबंधों को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा आईसीसीआर के मिशन को दिए जा रहे निरंतर सहयोग की भी सराहना की।

अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध विद्वान जोसेफ न्ये की 'सॉफ्ट पावर' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की परंपरा सदियों से विचारों, मूल्यों और ज्ञान प्रणालियों को साझा करने की रही है। भारत ने कभी विजय अभियान के माध्यम से नहीं, बल्कि संस्कृति, संवाद और सहयोग के जरिए विश्व के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व जैसे भारतीय मूल्यों को वैश्विक शांति और सहयोग का आधार बताया।

उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि भाषाएं, कला, संगीत, नृत्य और सिनेमा जैसे माध्यम भारत की सांस्कृतिक पहचान को विश्व भर में प्रसारित कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'वैक्सीन मैत्री', विकास साझेदारी, छात्रवृत्ति योजनाओं और मानवीय सहायता जैसी पहलों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत के समकालीन योगदान को भी रेखांकित किया।

महानिदेशक ने मानवाधिकारों, महिला सशक्तिकरण और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित योग, ध्यान और सचेत जीवन पद्धति आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि आईसीसीआर विश्वभर में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने का प्रमुख माध्यम है।

उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय अपने

विविध अंतरराष्ट्रीय छात्र समुदाय के कारण सांस्कृतिक संबंधों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अपने संबोधन के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय में अध्ययनरत आईसीसीआर के विद्वानों से संवाद किया, उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और उन्हें परिषद की विभिन्न पहलों से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों से 'आईसीसीआर युवा मित्र' और 'कला साधक' जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने का भी आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने स्वागत भाषण देते हुए सांस्कृतिक संबंधों, शैक्षणिक आदान-प्रदान और भारत के विकसित होते वैश्विक जुड़ाव के बीच बढ़ते संबंधों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आईसीसीआर द्वारा प्रदान की जाने वाली फेलोशिप और छात्रवृत्तियां अंतरराष्ट्रीय छात्रों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को भी सशक्त बनाती हैं।

उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के 'नेट-जीरो' परिसर के माध्यम से स्थिरता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के सहयोग से आयोजित पासपोर्ट शिविर जैसे हालिया प्रयासों की जानकारी दी। महानिदेशक ने विश्वविद्यालय के 'सहभागिता' कार्यक्रम से जुड़े ग्रामीणों, किसानों और महिलाओं से भी बातचीत की तथा सामुदायिक सहभागिता और समावेशी विकास में उनकी भूमिका की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय के नेट-शून्य परिसर का अवलोकन किया और आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। कार्यक्रम ने सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को नई प्रेरणा प्रदान की।

गरीब, शोषित और वंचितों की आवाज बने युवा अधिवक्ता विकाश शर्मा हुए सम्मानित

पटना (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के छोटे से गांव जीयर में जन्मे युवा अधिवक्ता व समाजसेवी विकाश शर्मा समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। पटना के कुम्हरार भगवत नगर स्थित राजमहल रिसार्ट पैलेस में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में उन्हें उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बिहार सरकार के पूर्व उद्योग मंत्री समीर महासेठ, इंजीनियर अजय कुमार यादव, समाजसेवी राजेश बल्लभ (अध्यक्ष, समर्पण), डॉ. विनोद भांति (पूर्व निर्देशक, पीएमसीएच), डॉ. सुभाष चंद्रा (निर्देशक, एलएनजेपी अस्पताल पटना), डॉ. राजीव गंगोल (अध्यक्ष, पाटलिपुत्र पैरेंट एसोसिएशन) तथा डॉ. शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त, पीडब्ल्यूडी बिहार सरकार) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकाश शर्मा अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से गरीब, शोषित, वंचित, उपेक्षित और दिव्यांग लोगों की मदद के लिए लगातार आगेआते रहे हैं। चाहे किसी जरूरतमंद को पटना के सरकारी अस्पतालों में इलाज कराना हो, सरकारी कार्यालयों में भटक रहे लोगों की समस्या सुलझानी हो या कानूनी सहायता की आवश्यकता हो—विकाश हमेशा निष्पक्षता के साथ उनके साथ खड़े रहते हैं। वे संबंधित अधिकारियों से बात कर लोगों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं और समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।विकाश अपनी दादी मां से गहराई से प्रेरित रहे हैं। उनकी दादी कहा करती थीं कि ऐसा नाम कमाओ कि लोग तुम्हारे नाम से तुम्हारे परिवार को पहचानें। इसी प्रेरणा से विकाश समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे हैं।उनके कार्यों के लिए उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद, पूर्व मंत्री श्याम रजक, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, प्रसिद्ध शिक्षक खान सर और रहमान सर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें 24वीं बिहार राज्य सम्मान समारोह 2024 में अशोका अवार्ड, बिहार गौरव सम्मान 2025 तथा उत्कृष्ट युवा अधिवक्ता सम्मान 2025 सहित कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।वर्तमान में विकाश शर्मा पटना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं तथा BAPD संस्था के कानूनी सलाहकार के रूप में भी कार्यरत हैं। वे अपने क्षेत्र के पटना उच्च न्यायालय में वकालत करने वाले पहले युवा हैं और समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता मानते हैं।

132 दूज दर्शन का संकल्प निभा रहे भक्त तिलोकचंद, बनाएंगे बाबा रामदेव पर फिल्म

जयपुर(अपना नालंदा)। बाबा रामदेव पीर जी के प्रति गहरी आस्था और अटूट श्रद्धा रखने वाले समाजसेवी और बॉलीवुड फिल्म निर्माता श्री तिलोकचंद कोठारी ने एक बार फिर से बाबा रामदेव पीर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पिछले 38 वर्षों से लगातार बाबा के दर्शन के लिए पैदल यात्रा कर रहे तिलोकचंद ने बताया कि उनकी हर मनोकामना बाबा रामदेव पीर की कृपा से पूर्ण होती रही है।

तिलोकचंद ने बताया कि वे पिछले 11 वर्षों से हर हर महीने की शुक्ल पक्ष की दूज के पावन अवसर पर, चाहे वे देश के किसी भी कोने में हों, हर हाल में बाबा रामदेव पीर पहुंचकर बाबा के दर्शन करते हैं। अब तक वे 132 “एक सौ बत्तीस दूज” के मासिक दर्शन पूर्ण कर चुके हैं, जो अपने आप में एक अनूठा संकल्प और अनुशासन का उदाहरण है।

इस अवसर पर उन्होंने बाबा रामदेव पीर के जीवन पर एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म बनाने की घोषणा भी की। इस फिल्म में बाबा रामदेव पीर के जीवन से जुड़े धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याण के कार्यों को प्रमुखता से दर्शाया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक बाबा के संदेश और चमत्कार पहुंच सकें।

तिलोकचंद ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उनकी अटूट श्रद्धा, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। हर वर्ष वे सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करते हैं, जिसमेंतपती गर्मी, सर्द हवाएं और लंबी दूरी की कठिनाइयाँ भी उन्हें रोक नहीं पातीं।

बाबा रामदेव के भक्त तिलोकचंद की इस अनूठी भक्ति को समाज में प्रेरणा का स्रोत माना

जा रहा है। उनकी इस यात्रा को पूरा करने के लिए उनके परिवार और समाज के लोग भी उनके साथ खड़े हैं।

बाबा रामदेव पीर जन्म विक्रम संवत 1409 में चैत्र सुदी पंचमी को जैसलमेर जिले के रामदेवरा में एक राजपूत परिवार में हुआ था। रामदेव सभी मनुष्यों की समानता में विश्वास करते थे, चाहे वे ऊँच-नीच के हों, धनी हों या गरीब। वे पीड़ितों की मनोकामनाएँ पूरी करके उनकी सहायता करते थे। उन्हें अक्सर घोड़े पर सवार दिखाया जाता है।

त्रिलोकचंद कोठारी एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं, जिन्होंने शालीमार प्रोडक्शंस लिमिटेड के माध्यम से कई फिल्में बनाई हैं। उनकी प्रमुख फिल्में हैं मजनूं (2024), मकसद (2022), और परायी बेटी (2017)। वे विसागर ग्रुप से भी जुड़े हैं और फिल्म निर्माण, वितरण और मीडिया व्यवसाय में सक्रिय हैं। उनकी फिल्में दर्शकों को आकर्षित करती हैं और उनके काम को सराहा जाता है। त्रिलोकचंद कोठारी की फिल्म निर्माण की यात्रा में उनके अनुभव और योगदान को सलाम है।

हरनौत में जनगणना 2027 के पहले चरण में 1915 लोगों ने किया स्वगणना

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस चरण के अंतर्गत स्वगणना की प्रक्रिया बीते शुक्रवार से शुरू की गई है। प्रशासन द्वारा लोगों को डिजिटल माध्यम से अपनी जनगणना स्वयं करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

हरनौत के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह जनगणना चार्ज पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने सोमवार दोपहर बताया कि जनगणना 2027 के पहले चरण में स्वगणना की विधिवत शुरुआत पूरे बिहार में कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री बिहार की उपस्थिति में प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग तथा निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना द्वारा किया गया था।डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इस बार भारत की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है। भारत सरकार ने नागरिकों को स्वयं अपनी जनगणना करने का अधिकार प्रदान किया है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा एक स्वगणना पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक घर बैठे अपनी जानकारी दर्ज कर सकता है।

नालंदा में एलपीजी आपूर्ति सामान्य, शहर में तेजी से बढ़ रहा पीएनजी कनेक्शन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने सोमवार को बताया कि जिले में एलपीजी घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और मांग के अनुरूप आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। तेल विपणन कंपनी के जिला नोडल पदाधिकारी से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार नालंदा जिले की कुल 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर प्रतिदिन औसतन 9116 घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि विभागीय नियमों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में 25 दिनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के अंतराल पर गैस रिफिलिंग के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन करते हुए जिले के बैकलॉग को 4.3 से घटाकर 2 से 3 के बीच लाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने यह भी बताया कि खरमास समाप्त होने के बाद वैवाहिक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में वृद्धि को देखते हुए वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। विवाह समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति को अपने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को शादी के कार्ड के साथ आवेदन देना होगा, जिसमें आवश्यक वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की संख्या और कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की अनुमानित संख्या का उल्लेख करना होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र, राजगीर और सिलाव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। बिहारशरीफ के 6 वार्ड, सिलाव के 6 वार्ड और राजगीर के 17 वार्डों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। इन क्षेत्रों में लगभग 1800 लोगों ने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, जिनमें से करीब 1500 लोगों को कनेक्शन दिया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि गैस आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम (टोलफ्री नंबर 06112-233168) भी संचालित किया जा रहा है, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी या कालाबाजारी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

परशुराम से प्रेरणा लेकर विकसित बिहार निर्माण में जुटे हर नागरिक:विजय सिन्हा

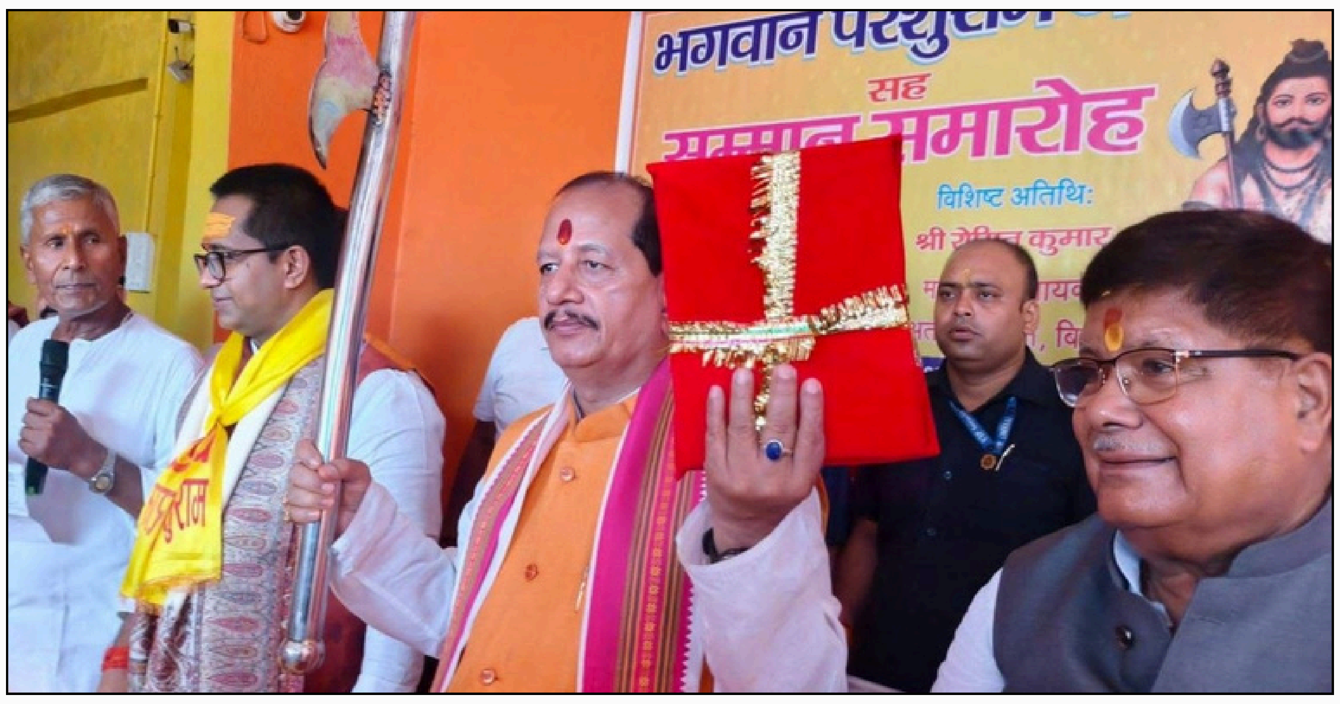

पटना(अपना नालंदा)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भगवान परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व त्याग, तप और सनातन संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें कर्म को ही धर्म मानकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।सिन्हा ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने सतयुग और त्रेता युग के संधिकाल में अवतार लेकर अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष किया। वे कृषि संस्कृति के भी प्रेरणास्रोत रहे हैं, इसलिए भारत की कृषिप्रधान परंपरा में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है।उन्होंने कहा कि परशुराम ज्ञान और शक्ति के संतुलन के प्रतीक हैं। शास्त्र और शस्त्र दोनों में निपुण होकर उन्होंने समाज में फैले भ्रष्टाचारऔर अनाचार का विरोध किया। आज की परिस्थितियों में उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना जरूरी है।

सिन्हा ने कहा कि भगवान परशुराम किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पूरे राष्ट्र के लिए आदर्श हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना झुके और रुके अपने कर्तव्यों का पालन करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है। ऐसे में बिहार के हर नागरिक को एकजुट होकर राज्य के विकास में योगदान देना चाहिए, ताकि विकसित भारत में बिहार की मजबूत भूमिका सुनिश्चित हो सके।

अनियंत्रित सरकारी बस की टक्कर से बाइक सवार कपड़ा व्यवसायी की मौत

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।बिहारशरीफ के सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत आशा नगर (17 नंबर) के पास रविवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में 45 वर्षीय कपड़ा व्यवसायी अजीत कुमार की जान चली गई। एनएच-20 बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन पर एक तेज रफ्तार सरकारी बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बस के पहियों में फंस गई और अजीत गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान दीपनगर के जमालीचक निवासी बृजनंदन साव के पुत्र के रूप में हुई है, जो वर्तमान में सोहसराय में रहकर व्यवसाय करते थे। परिजनों के अनुसार, अजीत रविवार को तगादा के सिलसिले में छबीलापुर गए थे। लौटते समय सड़क पार करने के दौरान पटना से आ रही बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत मॉडल अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने घटनास्थल पर सरकारी बस में जमकर तोड़फोड़ की। स्थिति बिगड़ती देख बस का चालक मौके से फरार हो गया और यात्री भी वाहन छोड़कर चले गए। घटना की सूचना मिलते ही सोहसराय थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर बस को जब्त किया और स्थिति को नियंत्रित किया। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि बस नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है और परिजनों से आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। व्यवसायी की मौत से उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

हर्ष फायरिंग में चली गोली, शादी से पहले युवक की मौत, खुशियां मातम में बदलीं

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। बिंद थाना क्षेत्र अंतर्गत अमावां गांव में एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग ने युवक की जान ले ली। मृतक की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के गौसनगर निवासी छोटू कुमार (21) के रूप में हुई है। विडंबना यह है कि मृतक की खुद की शादी की रस्में भी शुरू होने वाली थीं। 20 अप्रैल को उसका तिलक आना था और 27 अप्रैल को उसकी बारात जानी थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

घटना उस समय हुई जब छोटू अपने दोस्त मंटू कुमार के तिलक समारोह में शामिल होने अमावां गया था। परिजनों के अनुसार, नाच-गाने के दौरान छत पर अचानक गोली चलने की आवाज आई। मौके पर पहुँचने पर छोटू लहूलुहान मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस जाँच में एक नया मोड़ सामने आया है। बिंद थानाध्यक्ष मुरली मनोहर आजाद के अनुसार, प्रारंभिक साक्ष्यों से पता चला है कि युवक की मौत उसके खुद के देसी कट्टे से मिसफायर होने के कारण हुई है।

पटना में पांचवीं जिला गतका चैंपियनशिप सम्पन्न, खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त जोश

पटना(अपना नालंदा)। राजधानी पटना में आयोजित पांचवीं पटना जिला गतका चैंपियनशिप 2026 का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस प्रतियोगिता में जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश, जुनून और खेल के प्रति समर्पण साफ झलकता रहा।

प्रतियोगिता में हर प्रतिभागी ने पूरे उत्साह के साथ अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे माहौल रोमांचक और प्रेरणादायक बना रहा। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि के रूप में गतका एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एवं बिहार खेल पदाधिकारी संयुक्त निदेशक संजय कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा उपाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश, विशेष अतिथि बीरेंद्र कुमार, चंद्रा तिवारी, वैशाली जिला अध्यक्ष कुंदन कुमार, औरंगाबाद जिला अध्यक्ष मालती देवी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। पटना जिला गतका के अध्यक्ष अभय कुमार, सचिव डॉ. मोहन मुरारी प्रसाद, आयोजन सचिव अजय कुमार, कोषाध्यक्ष अमित कुमार तथा बिहार गतका एसोसिएशन के महासचिव भोला कुमार थापा ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का सफल संचालन पटना जिला गतका संघ द्वारा किया गया। अंत में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने विश्वास जताया कि इस तरह के आयोजन से पारंपरिक खेल गतका को नई पहचान मिलेगी और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा।

वेतन-पेंशन भुगतान की मांग को लेकर फैक्टनेब प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला

पटना। संबद्ध शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नियमित वेतन और पेंशन भुगतान की मांग को लेकर बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों एवं कर्मियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया।फैक्टनेब के मीडिया प्रभारी प्रो. अरुण गौतम ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उच्च न्यायालय, पटना के न्यायादेश तथा बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति की अनुशंसा के आलोक में सभी कोटि के संबद्ध शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए परीक्षाफल आधारित वेतनानुदान की व्यवस्था समाप्त कर नियमित वेतन एवं पेंशन भुगतान की नीति बनाने की मांग की। साथ ही शैक्षणिक सत्र 2015-18 से अब तक के कुल आठ शैक्षणिक सत्रों का बकाया अनुदान एकमुश्त भुगतान करने की भी मांग रखी गई।इसके अतिरिक्त लंबित वेतनानुदान राशि को राज्यकर्मियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते के अनुरूप पुनरीक्षित दर से बजटीय प्रावधान कर एकमुश्त भुगतान करने तथा राशि सीधे शिक्षकों और कर्मियों के बैंक खातों मेंसॉफ्टवेयर के माध्यम से भेजने की मांग भी की गई। प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2008 के संकल्प का अनुपालन करते हुए परीक्षा परिणाम आधारित वास्तविक वेतनानुदान की अधिसीमा समाप्त करने का भी आग्रह किया। इसके तहत स्नातक खंड के लिए निर्धारित एक करोड़ पचास लाख रुपये तथा इंटर खंड के लिए पचास लाख रुपये की सीमा हटाने की मांग की गई।फैक्टनेब के अध्यक्ष डॉ. शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में गठित समिति जल्द ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान निकालेगी।

प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष डॉ. शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा, महासचिव प्रो. राजीव रंजन, सचिव डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. सुमंत कुमार सिन्हा, डॉ. शिव कुमार सिंह तथा मीडिया प्रभारी प्रो. अरुण गौतम शामिल थे।

शादी के माहौल में खूनी वारदात: पत्नी की हत्या के बाद पति गिरफ्तार

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। बेन थाना क्षेत्र के बेलदरिया पर गांव में घरेलू विवाद के दौरान पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।बेन थाना अध्यक्ष रविराज सिंह ने बताया कि मृतका की पहचान सुमंती देवी (35 वर्ष), पति लालु चौहान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि घर में शादी का माहौल था। इसी दौरान सुमंती देवी पूजा-पाठ के लिए देवी स्थल पर चली गई थी, जिससे नाराज होकर पति लालु चौहान ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर मारपीट के कारण सुमंती देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्व-गणना फ्लो चार्ट

अनुभाग 1 : पोर्टल में प्रवेश एवं प्रारंभिक पंजीकरण

1 पोर्टल में प्रवेश एवं लॉग-इन

https://se.census.gov.in पर जाएँ, अपने राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का चयन करें और कैप्चा कोड दर्ज करें।

2 परिवार पंजीकरण

परिवार के मुखिया का नाम, 10 अंकों का मोबाइल नंबर ई-मेल आईडी (वैकल्पिक) दर्ज करें

⚠ **परिवार के मुखिया का नाम** बाद में बदला नहीं जा सकेगा।

⚠ **प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक मोबाइल नंबर का उपयोग किया जा सकता है।** एक बार पंजीकृत होने के बाद वही मोबाइल नंबर किसी अन्य परिवार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अनुभाग 2 : सत्यापन एवं स्थान की पहचान

3 भाषा चयन एवं ओटीपी सत्यापन

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें तथा पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी (OTP) दर्ज करें।

⚠ **चयनित भाषा को बाद में बदला नहीं जा सकता।**

4 स्थान संबंधी विवरण प्रदान करें

अपने जिले का चयन करें, पिन कोड दर्ज करें गांव/नगर/स्थानीय क्षेत्र (लोकैलिटी) की जानकारी भरें

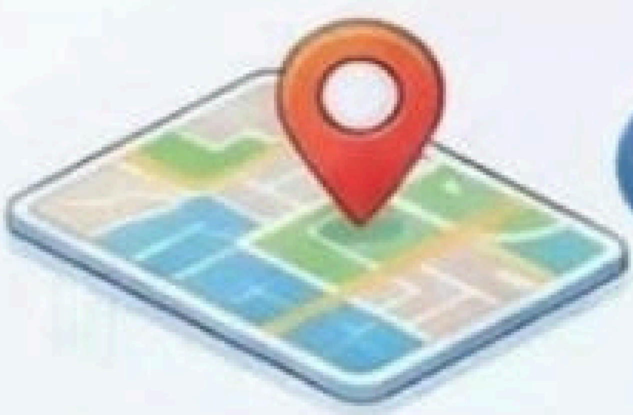

5 मानचित्र पर अपने निवास स्थान को चिन्हित करें

मानचित्र पर लाल मार्कर को खींचकर (Drag करके) अपने आवासीय भवन के सटीक स्थान पर स्थापित करें तथा स्थान की पुष्टि करें।

अनुभाग 3 : डेटा दर्ज करें एवं अंतिम प्रस्तुतिकरण

6 प्रश्नावली पूर्ण करें

मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रश्नावली भरें। प्रश्नों को समझने में सहायता के लिए टूलटिप्स, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs) तथा "आवश्यक सूचना" उपलब्ध हैं।

7 पूर्वावलोकन एवं समीक्षा

पूर्वावलोकन (Preview) स्क्रीन का उपयोग करके दर्ज की गई सभी जानकारी की जाँच करें। आप निम्न कार्य कर सकते हैं: डेटा दर्ज करना में संशोधन के लिए वापस जाएं, बाद में प्रस्तुत करने के लिए ड्राफ्ट के रूप में सेव करें, या पुष्टि करें और सबमिट करें

8 अंतिम प्रस्तुतिकरण

"पुष्टि करें और सबमिट करें" पर क्लिक करके अपने डेटा का अंतिम प्रस्तुतिकरण करें; अंतिम प्रस्तुतिकरण के बाद किसी भी प्रकार का संशोधन संभव नहीं होगा।

स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) का सृजन

प्रपत्र के सफलतापूर्वक प्रस्तुत होने पर 11 अंकों की एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) उत्पन्न होगी, जो "H" अक्षर से प्रारंभ होती है। यह SMS तथा ई-मेल (यदि प्रदान किया गया हो) के माध्यम से भेजी जाएगी।

अनुभाग 4 : क्षेत्रीय सत्यापन

9 प्रगणक का दौरा

जब जनगणना प्रगणक (Enumerator) आपके घर आएँ, तो उन्हें अपनी SE ID प्रदान करें।

SE ID मिलान का परिणाम

यदि SE ID मौजूदा रिकॉर्ड से मेल खाती है, तो आपकी जानकारी की पुष्टि कर उसे स्वीकार कर लिया जाएगा। यदि SE ID का मिलान नहीं होता है, तो प्रगणक द्वारा नई जानकारी एकत्रित की जाएगी।

Kalope HOMES
All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen
✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels
✓ Modern design, storage

Wardrobes & Closets
✓ Sliding, swing, loft, drawers

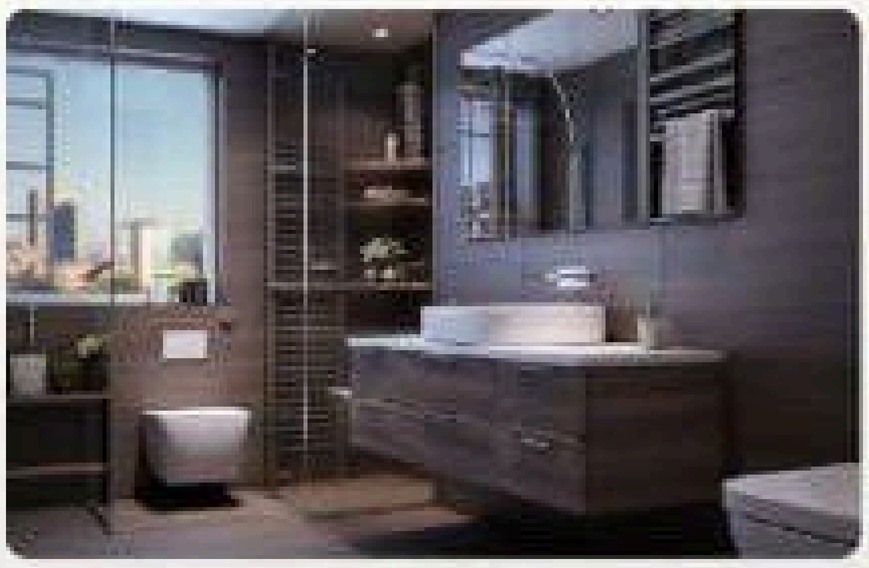

Bathroom Vanities
✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578 | www.kalopehomes.com | Patna, Bihar